



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० १०] नई दिल्ली, बुधवार, मार्च १४, १९७३/फाल्गुन २३, १८९४

No. १०] NEW DELHI, WEDNESDAY, MARCH 14, 1973/PHALGUNA 23, 1894

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF COMMERCE

NOTIFICATION

New Delhi, the 14th March 1973

S.O. 140(E).—In exercise of the powers conferred by clause (e) of sub-section (2) of section 5 of the Khadi and other Handloom Industries Development (Additional Excise Duty on Cloth) Act, 1953 (12 of 1953), the Central Government hereby makes the following rules, namely:—

1. **Short title and commencement.**—(1) These rules may be called the Khadi and other Handloom Industries Development (Exemption from Payment of Additional Excise Duty on Certain Varieties of Rayon and Artificial Silk Fabrics) Rules, 1973.

(2) They shall be deemed to have come into force on the 24th July, 1972.

2. **Exemption from payment of duty.**—Fents, that is to say, bonafide cut pieces of rayon or artificial silk fabrics, which are 92 cms. or more, but not exceeding 1.50 metres, in length, and which are damaged in the body of the fabric and not merely at the edges, shall be exempt from the whole of the duty of excise leviable thereon under the Khadi and other Handloom Industries Development (Additional Excise Duty on Cloth) Act, 1953 (12 of 1953).

[No. F. 15012/4/72-TEX(C).]

K. KISHORE, Jt. Secy.

वाणिज्य मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 14 मार्च, 1973

एस० ओ० 140(अ).—खादी तथा अन्य हथकरघा उद्योग विकास (वस्त्र पर अतिरिक्त उत्पाद-शुल्क) अधिनियम, 1953 (1953 का 12) की धारा 5 की उपधारा (2) के खंड (ड) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ —(1) इन नियमों का नाम खादी तथा अन्य हथकरघा उद्योग विकास (रेयान तथा कृत्रिम रेशम के कपड़ों की कतिपय किस्मों पर अतिरिक्त उत्पाद शुल्क के संवाय से छूट) नियम, 1973 है।

(2) यह समझा जाएगा कि ये 24 जुलाई 1972 को प्रवृत्त हुए हैं।

2. शुल्क के संवाय से छूट.—टुकड़ों अर्थात् रेयान अथवा कृत्रिम रेशम के कपड़ों के ऐसे वास्तविक कटपीसों को जो लम्बाई में 92 सेंटीमीटर या उससे अधिक हों किन्तु 1.5 मीटर से अनधिक हों और जो कपड़े के मुख्य भाग में न कि केवल उसके किनारों पर क्षत हुए हों, खादी तथा अन्य हथ करघा उद्योग विकास (वस्त्र पर अतिरिक्त उत्पाद शुल्क) अधिनियम, 1953 (1953 का 12) के अधीन उन पर उद्ग्रहणीय संपूर्ण उत्पाद शुल्क से छूट प्राप्त होंगे।

[सं० फा० 150/12/4/72-वस्त्र (सी)]

के० किशोर, संयुक्त सचिव।